अयोध्या में 300 करोड़ रुपए में बनेगा सबसे लंबा सरयू रिवर फ्रंट

चर्चा में क्यों?

29 जून, 2022 को उत्तर प्रदेश सरकार ने रामनगरी अयोध्या में सरयू नदी के तट पर दो किलोमीटर लंबा सरयू रिवर फ्रंट बनने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश सरकार अयोध्या की नई तस्वीर बदलने की कवायद में पूरी तरह जुट गई है। इसके लिये श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के साथ-साथ सरकार अयोध्या के विकास के लिये ऐसी कई योजनाओं पर काम कर रही है, जिससे शहर का कायाकल्प हो जाए। इस कड़ी में राम की पैड़ी के सौंदर्यीकरण के बाद सरयू किनारे अयोध्या की सरयू रिवर फ्रंट सबसे बड़ी परियोजना है।
- इस योजना पर 300 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है।
- इसमें सबसे पहले बीच के जो कच्चे घाट थे, उन्हें 39 करोड़ रुपए की लागत से पक्का किया जा रहा है।
- इससे न सिर्फ अयोध्या का गौरव बढ़ेगा, बल्कि बाढ़ के समय परेशानियों से लोगों को निजात मिलेगी। साथ ही, पर्यटकों को नई सौगात मिलेगी।
- सरयू के किनारे नए घाट से लेकर गुप्तार घाट तक कुल 14 प्रमुख घाट हैं। इनमें गुप्तार घाट, कैकई घाट, कौशल्या घाट, लक्ष्मण घाट, पापमोचन घाट, ऋणमोचन घाट, अहल्याबाई घाट, जटायु घाट, जानकी घाट और नया घाट जैसे कई प्रसिद्ध घाट हैं।
- गौरतलब है कि 232 करोड़ 56 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सबसे लंबे घाट का प्रस्ताव दिसंबर 2020 में सिंचाई विभाग के सरयू नहर खंड ने सरकार को भेजा था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/the-longest-saryu-river-front-to-be-built-in-ayodhya